लिये एक नियमित समिति बनाने की वांछनीयता पर विचार करे। यह सुझाव विचाराधीन है।]

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या मैं यह जान सकता हूं कि पिछले साल न्यूजप्रिंट का आयात कितना हुआ और देश की आवश्यकता पूर्ति करने में कितनी कमी हुई ?

श्री मनुभाई शाह : अन्दाजा है कि ७ करोड़ रुपये तक खप सकता है जबकि आयात हुआ ४½ करोड़ रुपये का।

SHRI BHUPESH GUPTA:; Do I have the assurance, Sir, that in formulating a permanent Advisory Committee these big newspaper owners or magnates, as they are called, will not be given any position to dominate these committees and their numbers will be very much restricted and the working journalists will be taken more than others on such committees?

SHRI MANUBHAI SHAH: I can assure the hon. Member that there is no question of having purely working journalists on these committees. There will also be small language paper representatives, some medium paper representatives as well as large paper representatives.

SHRI BHUPESH GUPTA: The position is, Sir, that such committees do not function because very influential men who control very many things in the country come on such committees and exert not only numerical influence but other influences also. In view of this past experience, may I know, Sir, whether the Government has considered the advisability of taking on this committee, apart from small newspaper owners, working journalists, some Members of Parliament, especially from the Opposition?

SHRI MANUBHAI SHAH: The Government determines the policy, not the Advisory Committee.

SHRI A. D. MANI: Is it proposed that on this committee, which the Government is seeking to set up, there would be representation on regional basis, State basis?

SHRI MANUBHAI SHAH: That is always the angle we keep in mind because in such a big country, all interests which are directly connected as well as regional interests have got to be represented.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मन्त्री महोदय बतलायेंगे कि हमारे यहां पर न्यूज़ प्रिंट के जितने भी कारखाने हैं, क्या उनमें कागज का उत्पादन पूरी क्षमता के अनुसार हो रहा है या नहीं हो रहा है ? दूसरे, उनका उत्पादन बढ़ाने के लिये क्या स्कीम है ?

श्री मनुभाई शाह : हमारे यहां पुराने जमाने के मध्य प्रदेश में एक फैक्टरी है जो आज २८,००० टन उत्पादन करती है और हमने तीन और फक्ट्रियां लाइसेंस की हैं जो कि जब तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्त तक चालू हो जायेंगी तब हमारी जितनी जरूरत है उसको पूरा करेंगी और शायद कुछ एक्सपोर्ट के लिये भी मिलेगा। लेकिन अभी तीनों फैक्ट्रियां चालू होने में कुछ देर लगेगी।

नंगल में हैवी वाटर प्लांट

*२३०. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नंगल में हैवी वाटर प्लांट चालू हो गया है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो इसकी उत्पादन क्षमता क्या है और अब तक कितना हैवी वाटर तैयार हो गया है ; और

(ग) इस समय देश में कितने हैवी वाटर की आवश्यकता है और इसमें से कितना व कितने मूल्य का बाहर से मंगाया जाता है; और इस सम्बन्ध में देश कब तक आत्मनिर्भर हो जायेगा ?

*230. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will - the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Heavy Water Plant at Nangal has been commissioned);

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what is its production capacity and how much heavy water has so far been produced; and

(c) how much heavy water is required in the country at present and how much of it is imported from abroad and what is the value oj) the same; and by when the country will become self-sufficient in this respect?]

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON): (a) and (b) The Heavy Water Plant at Nangal is expected to be commissioned in the Second half of 1962. The Plant will have a capacity of producing 15 tonnes (metric tons) of heavy water per annum.

(c) The requirements of heavy water in the country at the moment are very small being only the amount of make-up heavy water required for the operation of the Canada-India Reactor (CIR) and Zerlina. 36 short tons of heavy water are required for use in these two reactors and out of this quantity, 21 short tons IO? CIR valued at Rs. 55-98 lakhs were purchased from the United States Atomic Energy Commission during 1956-57 and the balance 15 short tons for Zerlina were obtained on lease from the same source in 1959-60—the lease charges being 4 per cent, of the basic cost *viz.,* $28/- per lb. ex-plant U.S.A. The lease charges have since been raised to 4.75 per cent. 15 tons of heavy water will be returned to US AEC when the heavy water produced at Nangal becomes available.

The future requirrments of heavy water will depend upon the type of power reactors which will be put up in the

t [ ] English translation.

‡[वैदेशिक-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्रीमती लक्ष्मी एन० मेनन) : (क) और (ख) नंगल में हैवी वाटर प्लांट के १९६२ के उत्तरार्ध में चालू हो जाने की आशा है। प्लांट की क्षमता १५ टन (मैट्रिक टन) हैवी वाटर प्रति वर्ष उत्पादन करने की होगी।

(ग) कैनाडा-भारत रिएक्टर और ज़रनीला के परिचालन के लिये केवल मेकअप हैवी वाटर की आवश्यकता होने के कारण इस समय देश में हैवी वाटर की मांग बहुत कम है। इन दो रिएक्टरों में इस्तैमाल के लिए ३६ शार्ट टन हैवी वाटर की आवश्यकता है। इस मात्रा में से १९५६-५७ में कैनाडा भारत रिएक्टर के लिये २१ शार्ट टन हैवी वाटर संयुक्त राज्य परमाणु शक्ति आयोग से ५५ ९८ लाख रुपये के मूल्य पर खरीदा गया और इसी आयोग से १९५९-६० में जरलीना के लिए बाकी १५ शार्ट टन लीज पर लिया गया। लीज का खर्च मूल कीमत अर्थात् अमेरिका में कारखाने पर २८ डालर प्रति पौण्ड का ४ प्रतिशत था। अभी लीज का खर्च बढ़ा कर ४.७५ प्रतिशत कर दिया गया है। नंगल में उत्पादित हैवी वाटर के उपलब्ध होने पर १५ टन हैवी वाटर संयुक्त राज्य परमाणु शक्ति आयोग को वापस कर दिया जायेगा।

भविष्य में हैवी वाटर की मांग देश में लगाये जाने वाले शक्ति रिएक्टरों के प्रतिरूपों पर निर्भर होगी।]

SHRIMATI LAKSHMI MENON: I have already said: "The Plant will have a capacity of producing 15 tonnes (metric tons) of heavy water per annum". It is expected to be commissioned in the second half of 1962.

tt] Hindi, translation.

SHRI N. C. KASLIWAL: This plant at Nangal is supposed to produce the cheapest heavy water in the world, and it will produce large quantities also when it goes into full commission. May I know, Sir, whether any arrangements are being made now for the export of surplus heavy water which this plant will manufacture?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I do not know, Sir. As far as I know, no specific arrangements have been made. Obviously, the persons concerned, who might want heavy water, are very limited in the world. If they want, we can supply, we shall certainly supply. First of all, we have to supply ourselves and, perhaps, give back the heavy water to those from whom we have borrowed.

मेसर्स मैकेंजी फिलिप लिमिटेड, दिल्ली द्वारा रेडियो का निर्माण

*२३१. श्री **नवाबसिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि दिल्ली के मैसर्स मैकेंजी फ़िलिप लिमिटेड को रेडियो के पुर्जों का आयात न कर सकने के कारण रेडियो निर्माण का कार्य बन्द कर देना पड़ा है ;

(ख) इस फर्म की उत्पादन क्षमता क्या है और क्या इसे अपने रेडियो सेटों का निर्यात करने की इजाज़त दी गई थी ; और

(ग) इस कार्य के बन्द हो जाने से कितने कर्मचारी बेरोजगार हुए हैं ?

MANUFACTURE OF RADIOS BY M/S. MCKENZIE PHILIP LTD., DELHI

♦231. SHRI NAWAB SLWGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Messrs. Mckenzie Philip Ltd., Delhi have been forced to stop raJia manufacturing work owing to their inability to import radio parts;

(b) what is the production capacity of this firm and whether they were permitted to export their radio sets-and

(c) the number of employees who have lost their jobs as a result of the stoppage of this work?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो) : (क) जी नहीं। मेसर्स मैकेंजी फिलिप (इण्डिया) प्राइवेट लि० के कारखाने में उत्पादन बन्द नहीं हुआ है वरन् कारखाना चालू है।

(ख) इस फार्म की वार्षिक उत्पादन क्षमता ३,००० सस्ते रेडियो सेट तथा १,००० दूसरे सेट हैं, जिसमें ट्रांजिस्टर सेट भी शामिल हैं। इनके अलावा यह कारखाना लाउडस्पीकर, आई० एफ० ट्रांसफर्मर, पेपर कन्डेन्सर, डस्ट कोर तथा टेप-रेकार्डर आदि भी बनाता है। इसने १९५९ में इराक को ७८९ रेडियो सेटों (मूल्य ८७,८५० रु०) का निर्यात किया था तथा उसका दावा है कि उसने १९६०–६१ में ब्रिटेन को भी ५०० ट्रांजिस्टर रेडियो सेट निर्यात किये जिनका मूल्य २६,१७३ रुपये था।

(ग) चूंकि काम बन्द नहीं हुआ है इसलिये कर्मचारियों के बेरोजगार होने का प्रश्न ही नहीं उठता।

f[THE MINISTER OF INDUSTRY IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI N. KANUNGO) : (a) No Sir; the factory of Messrs.. Mckenzie Philip (India) Private Ltd., has not stopped production and they are working.

-3 t[ ] English translation.